नाबालिग से छेड़छाड़ के विवाद में हिंसा

बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या; दो सगे भाई गिरफ्तार

मोबाइल देने की बात पर रंजिश, लोहे के पाइप से हमले में घायल शंकर सिंह ने तोड़ा दम, पुलिस ने आरोपियों को दबोचा

नवभारत न्यूज।

खंडवा। जिले के जावर थाना के भकराड़ा में नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ और मोबाइल देने के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बदले की आग में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के बुजुर्ग पिता की लोहे के पाइप से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की शुरुआत 7 जनवरी की है एक नाबालिग किशोरी ने घर पर बताया कि जगदीश और संतोष निवासी भकराड़ा ने उसके साथ छेड़छाड़ की और उसे की-पैड मोबाइल देकर बात करने का दबाव बनाया। इस बात से नाराज किशोरी के परिजनों सद्दाम, वसीम और गोलू ने संतोष को बुलाकर पूछताछ की। आरोप है कि इसी दौरान दोनों पक्षों में विवाद हुआ। मामला तब बिगड़ गया जब 7 जनवरी को ही सद्दाम ने संतोष को फोन कर घर के पास बुलाया। बातचीत के दौरान सद्दाम के भाई वसीम और गोलू ने लोहे के पाइप से संतोष के पैरों पर हमला कर दिया। जब घायल संतोष अपनी मां प्रमिला बाई और पिता शंकर सिंह के साथ रिपोर्ट लिखाने जावर थाने जा रहा था, तभी आरोपियों ने सद्दाम के घर के सामने उन्हें रोक लिया।आरोपी वसीम और गोलू पिता इकबाल ने लोहे के पाइप से पूरे परिवार पर हमला बोल दिया। उन्होंने संतोष, उसकी मां और पिता शंकर सिंह को बाइक से गिराकर बेरहमी से पीट दिया।

हमले में संतोष के पिता शंकर सिंह के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। शंकर सिंह की मौत के बाद जावर पुलिस ने प्रकरण में हत्या की धारा (103(1) बीएनएस) बढ़ा दी है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

एसपी मनोज कुमार राय के निर्देशन में जावर थाना प्रभारी श्याम सिंह भादले और उनकी टीम ने घेराबंदी कर 9 जनवरी को मुख्य आरोपी वसीम और गोलू उर्फ जिया पिता इकबाल को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों पर कार्रवाई की है । किशोरी की शिकायत पर संतोष और जगदीश के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और छेड़छाड़ का मामला दर्ज है। वहीं शंकर सिंह की मौत और मारपीट पर वसीम और गोलू के खिलाफ हत्या, जानलेवा हमला और एससी/एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने और आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी श्याम सिंह भादले, उनि राजेन्द्र राठौर, सउनि रंजीत सिंह राजपूत, प्र.आर. जितेन्द्र डोडे और आर. सुरेश वास्कले की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मां नर्मदा में कचरे का प्रहार

आक्रोशित संतों और ने की ठेका निरस्त करने की मांग

ओंकारेश्वर में आस्था शर्मसार

नवभारत न्यूज।

ओंकारेश्वर/खंडवा।

मोक्षदायिनी मां नर्मदा के तट पर जो कुछ घट रहा है, वह न केवल प्रशासनिक लापरवाही है, बल्कि सनातन आस्था पर किया गया एक 'अक्षम्य अपराध' है। श्रीजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा 50 लाख रुपये का भारी-भरकम ठेका जिस इंदौर की फर्म को दिया गया, उसने स्वच्छता के नाम पर तीर्थनगरी को शर्मिंदा कर दिया है। 8 जनवरी की रात जो दृश्य सामने आया, उसने हर नर्मदा प्रेमी का खून खौला दिया है।

आस्था के नाम पर 'पाप' का प्रवाह

नदी किनारे चल रहे इस 'खेल' पर जनभावनाओं का ज्वार फूट पड़ा है। प्रत्यक्षदर्शियों और श्रद्धालुओं का कहना है— "जिस माँ नर्मदा की एक बूंद को हम अपने माथे से लगाने के लिए तरसते हैं, आज उसी माँ का सीना कचरे से छलनी किया गया । गौर करने वाली बात यह है कि कृत्य किसी अनजान ने नहीं, बल्कि एक धार्मिक ट्रस्ट के ठेकेदार ने किया है। जब रंगे हाथों पकड़ाए 'नर्मदा के गुनाहगार' प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार मामला 8 जनवरी की रात करीब 8 बजे का है। ओंकारेश्वर बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नर्मदा उफान पर थी। इसी का फायदा उठाकर ठेकेदार के कर्मचारी नागर घाट पर कचरा खपाने पहुंचे थे। वहां मौजूद ओंकारेश्वर विकास संघर्ष समिति के तिलोक माहिल्या और पंडित दीपक जोशी पूजन कर रहे थे। उन्होंने देखा कि कर्मचारी 30 से अधिक कचरे के बोरे लेकर खड़े हैं और उन्हें नदी में बहा रहे हैं।

जब सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोका और कचरा ऊपर ले जाने को कहा, तो कर्मचारी विवाद करने लगे और देखते ही देखते बदबूदार कचरा तेज बहाव में बहा दिया।

50 लाख का ठेका सुविधा कम, 'लूट' ज्यादा

तत्कालीन प्रशासक व सीईओ शिवम प्रजापति के कार्यकाल में यह 50 लाख का ठेका हुआ था नियमत कचरे को ट्रेंचिंग ग्राउंड ले जाना था, लेकिन परिवहन का पैसा बचाने के लिए उसे नदी में बहाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब जिम्मा नगर परिषद के पास था, तो मुट्ठी भर कर्मचारी भी नावों से कचरा ढोकर बाहर ले जाते थे। लेकिन ट्रस्ट ने लाखों फूंक दिए, फिर भी व्यवस्था 'जीरो' है। घटना के तत्काल बाद नायब तहसीलदार और प्रोटोकॉल अधिकारी उदय मंडलोई को शिकायत की गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना के वीडियो कलेक्टर ऋषभ गुप्ता को भी भेजे। विडंबना देखिए, एक तरफ शासन-प्रशासन है जो लाख दावों और कागजी कार्यवाहियों के बाद भी नालों का गंदा पानी नर्मदा में गिरने से नहीं रोक पा रहा है, और दूसरी तरफ वे संस्थाएं हैं, जिनका गठन ही धर्म के रक्षण के लिए हुआ है, वे स्वयं प्रदूषण की वाहक बन गई हैं।

जनता की दो-टूक मांग

अगर धर्म के ध्वजवाहक ही पर्यावरण के भक्षक बन जाएंगे, तो आम आदमी को क्या दिशा मिलेगी? नर्मदा प्रेमियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि ऐसे 'दिखावटी धर्मनिष्ठों' का बहिष्कार होना चाहिए। संत समाज ने मांग की है कि ठेका तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। मां नर्मदा को दूषित और कचरा बहाने वाले ठेकेदार और अनदेखी करने वाले अधिकारियों पर स्न्ढ्क्र दर्ज की जाए

एक नज़र मे

मोतियाबिंद के 37 मरीजों को नि:शुल्क सर्जरी के लिए इंदौर भेजा

खण्डवा। राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा खालवा विकासखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खालवा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सेंधवाल में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर लगाकर मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि शिविर में 88 मरीजों की आंखों की जांच के बाद मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चयनित इन मरीजों में से 37 को नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए चौइथराम नेत्रालय इन्दौर भेज दिया गया है।

550 हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क सोनोग्राफी

खण्डवा। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हर माह की 9 एवं 25 तारीख को सरकारी अस्पतालों में स्त्री रोग विशेषज्ञ व चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं की जांच कर उपचार किया जाता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि शुक्रवार को हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जाँच व परामर्श दिया गया। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं में एनीमिया, उच्च रक्तचाप, शुगर, पूर्व सिजेरियन प्रसव, जुड़वा बच्चे, गर्भ में उल्टा बच्चा, पूर्व में गर्भपात, पूर्व में जन्मे शिशु में जन्मजात विकृति, कम वर्ष व 35 वर्ष से अधिक उम्र में गर्भधारण होना, अधिक बच्चे होना तथा टीबी, गुर्दे, हृदय रोग, मलेरिया, एचआईवी, हैपेटाइटिस बी जैसे रोगों से ग्रसित गर्भवती महिलाएं शामिल होती हैं। डॉ. जुगतावत ने बताया कि जांच के दौरान जटिलताओं को देखते हुए ऐसी चिन्हांकित लगभग 550 गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क सोनोग्राफी भी कराई गई। इन शिविरों में गर्भवती महिलाओं की काउंसलिंग कर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहने, पौष्टिक आहार नियमित रूप से लेने और सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने की समझाइश दी जाती है।

श्वेता नरसरिया बनीं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

खण्डवा। खण्डवा की बेटी श्वेता नरसरिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। सम्मत्ति नगर, खण्डवा निवासी श्वेता नरसरिया का चयन विश्व के अग्रणी वैश्विक बैंक स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पद पर हुआ है, जो पूरे शहर के लिए गौरव का विषय है।

इस उपलब्धि पर समाजसेवी सुनील जैन एवं नारायण बाहेती ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि श्वेता ने छोटे शहर से निकलकर वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाकर यह सिद्ध किया है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता खण्डवा की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है। लायन्स क्लब खण्डवा की अध्यक्ष लायन आशा उपाध्याय, लियो क्लब अध्यक्ष लियो सुमित परिहार सहित लायन्स-लियो सदस्यों एवं समाजसेवियों ने श्वेता नरसरिया को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

माखन बस्ती में विशाल हिंदू सम्मेलन संपन्न

नवभारत न्यूज।

खंडवा। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर गुरुवार को माखन बस्ती स्थित जुना राम मंदिर प्रांगण में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में रामगंज, बुधवारा, हरिगंज एवं ब्राह्मणपुरी वार्ड के बड़ी संख्या में हिंदू बंधुओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की जय और वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ हुआ। इस अवसर पर बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम, गरबा, गणगौर नृत्य तथा भजन मंडली द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। सामाजिक समरसता विषय पर मातृ शक्ति प्रमिला अरोरा ने कुटुंब प्रबोधन पर विचार रखे। समाज प्रमुख एवं प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ. सुभाष जैनी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और सामाजिक समरसता पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रमुख वक्ता जीवन जी घाकड ने संघ के 100 वर्षों की यात्रा, सनातन संस्कृति और सशक्त भारत विषय पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया। संत श्याम आष्टेकर ने हिंदू एकता पर अपने विचार रखे। सम्मेलन संयोजक दिनेश पालीवाल ने अतिथियों का परिचय दिया, संचालन गिरीश बजाज ने किया तथा आभार योगिता माहेश्वरी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में माखन बस्ती के कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

टीआई बच्चों से हुए मुख़ातिब

नवभारत न्यूज।

खंडवा। वयस्को को ट्रैफिक नियमो के पाठ पढ़ाते पढ़ाते आज थानेदार साहब अपनी टीम के साथ एक नया इनोवेशन करने, एमके प्राईड स्कूल में बच्चो के बीच पहुंचे, थानेदार साहब का मक़सद ट्रैफिक सुरक्षा और यातायात का जो वयस्कों में कुपोषण है उसे बचपन से मासूमो के संस्कारों में शामिल करना है हेलमेट की उपयोगिता ,देश के यातायात कानून,बाजार में सुगमता और आनंद से चलना,ठेले,दुकानदारो के अतिक्रमण ओर एक अच्छे नागरिक के कर्तव्य का पाठ क एमके. प्राईड स्कूल के बच्चो को पढ़ाया ।एक ओपन मंच के माध्यम से बच्चो ने ट्राफिक से संबंधित कई सवाल भी पूछे जिन्हें श्री देवेंद्र परिहार जी ने बहुत ही सहज और सरल अंदाज़ में उत्तर दिया ।इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर वानखेड़े जी,संस्था के डायरेक्टर लुक़मान मसूद,रक्षी मसूद ओर मुस्कान उपस्थित थी।

79 वाहन चालकों पर चालान

नवभारत न्यूज।

खंडवा। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से अधीक्षक पुलिस खंडवा श्री मनोज कुमार राय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राजेश रघुवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शमहेंद्र तारणेकर के मार्गदर्शन में दिनांक 08 जनवरी 2026 को जिलेभर में प्रभावी पुलिस कार्रवाई की गई।

इस दौरान जिले के विभिन्न थानों द्वारा अलग-अलग न्यायालयों के 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 08 स्थायी वारंट, 35 जमानती वारंट एवं 88 समन की तामील की गई।

अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान में कुल 03 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। थाना पंधाना, छैगांवमाखन एवं पिपलोद क्षेत्रों से आरोपियों के कब्जे से देशी प्लेन शराब एवं हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब जब्त की गई। तीनों मामलों में आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। वहीं राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षाङ्कजीवन रक्षा थीम पर विशेष अभियान चलाते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 79 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

देवझिरी भूतेश्वर महादेव में महाशिवपुराण कथा

प्राकृतिक जलधारा से शिवलिंग का अभिषेक बना आस्था का केंद्र

नवभारत न्यूज।

खंडवा। खंडवा । प्राचीन एवं स्वयंभू भूतेश्वर महादेव मंदिर देवझिरी में आयोजित महाशिवपुराण कथा के दौरान श्रद्धालुओं को शिव कृपा का अलौकिक अनुभव हो रहा है। मंदिर में शिवलिंग के मस्तक पर गिरने वाली प्राकृतिक जलधारा को देखकर ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं मां गंगा भगवान शंकर का अभिषेक कर रही हों और क्षेत्र के विकास व कल्याण का आशीर्वाद दे रही हों। कथा व्यास पंडित ललित किशोर दाधीच ने महादेव की लीलाओं का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि शिव भक्तों को कर्मों के अनुसार फल देते हैं। उन्होंने प्रसाद और चरणामृत के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि शिवालय का प्रसाद अकाल मृत्यु से भी रक्षा करता है तथा दीपदान से जीवन का अंधकार दूर होता है। भगवान शिव स्वयं प्रकाश पुंज परमात्मा हैं, जो निराकार होते हुए भी साकार रूप में पूजित हैं।कथा में सतीङ्कपार्वती चरित्र और शिव विवाह का भावपूर्ण वर्णन किया गया। सती दक्ष की पुत्री थीं, जिनके प्रसंग से अहंकार त्यागने का संदेश मिलता है, वहीं पार्वती पर्वतराज की पुत्री हैं, जो अडिग विश्वास का प्रतीक हैं। कथा के माध्यम से बताया गया कि जब विश्वास दृढ़ होता है, तभी जीव को शिव की प्राप्ति होती है।भगवान शिव के विवाह उत्सव को भव्य रूप में मनाया गया। क्षेत्र के श्रद्धालु पैदल, ट्रैक्टर एवं विभिन्न साधनों से पहुंचकर कथा का पूर्ण लाभ ले रहे हैं। यह महाशिवपुराण कथा क्षेत्रवासियों के सहयोग से आयोजित की गई है।

मदद — घरेलू हिंसा और तलाक के बीच काउंसलिंग ने बदली ज़िंदगी

वन स्टॉप सेंटर की काउंसलिंग से बचा टूटा परिवार

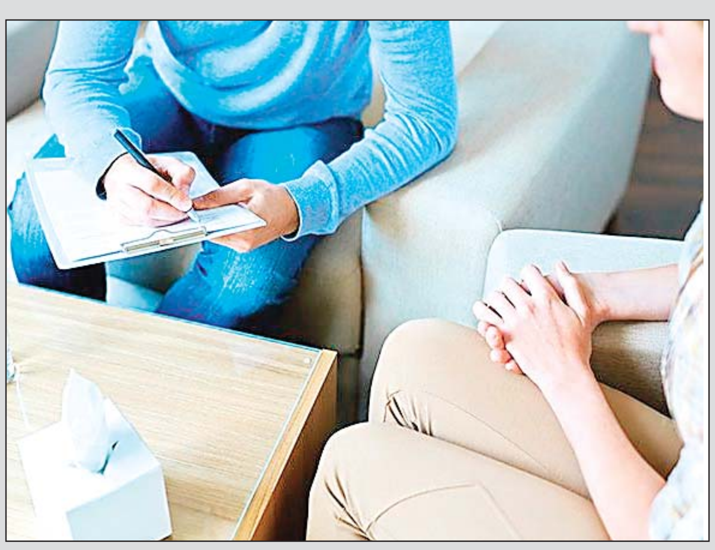

नवभारत न्यूज।

खंडवा। खंडवा। महिला एवं बाल विकास विभाग के वन स्टॉप सेंटर के प्रयासों से एक टूटते परिवार को फिर से जोड़ने में सफलता मिली है। घरेलू हिंसा और वैवाहिक तनाव के चलते तलाक के फैसले तक पहुंचे दंपती की कहानी काउंसलिंग, संवाद और आपसी सम्मान से नई शुरुआत में बदल गई। साहीबा और असलम (परिवर्तित नाम) का विवाह सामाजिक परंपराओं के अनुसार हुआ था। समय के साथ असलम के व्यवहार में गुस्सा, शक और कठोर शब्द बढ़ने लगे, जिससे घरेलू हिंसा की स्थिति बनी। दबाव बढ़ने पर साहीबा ने साहस दिखाते हुए वन स्टॉप सेंटर में शिकायत दर्ज कराई। काउंसलिंग के बाद दोनों ने साथ रहने का निर्णय लिया, लेकिन व्यवहार में स्थायी बदलाव न आने पर साहीबा ने आत्मसम्मान और सुरक्षित भविष्य के लिए तलाक का फैसला किया। यह निर्णय असलम के लिए गहरा आघात बना। मानसिक दबाव में आकर उसने ज़हर पी लिया, हालांकि समय रहते उसकी जान बचा ली गई। इस घटना ने दोनों को झकझोर दिया और उन्हें समझ आया कि समस्याओं से भागने के बजाय समाधान तलाशना ज़रूरी है। इसके बाद वन स्टॉप सेंटर में दोबारा गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ काउंसलिंग कराई गई। असलम ने अपने व्यवहार, गुस्से और संवाद की कमी पर काम करने का संकल्प लिया, जबकि साहीबा ने स्पष्ट सीमाएं और अपेक्षाएं रखीं। प्रेस नोट में बताया गया है कि निरंतर मार्गदर्शन के साथ समय के साथ सकारात्मक बदलाव दिखा। घर का माहौल शांत हुआ, संवाद लौटा और दोनों ने अतीत की गलतियों से सीख लेकर साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। यह मामला दर्शाता है कि सही समय पर सहायता, ईमानदार आत्ममंथन और आपसी सम्मान से रिश्तों को संभाला जा सकता है—और इस प्रक्रिया में वन स्टॉप सेंटर खंडवा की भूमिका निर्णायक रही।